लापरवाही | पवन पुत्र आश्रम के पास मंडरा रहा मौत का साया, घंटों बिजली गुल रखकर विभाग मना रहा औपचारिकता का उत्सव

मेंटेनेंस के नाम पर दौड़ रहे केवल कागजी घोड़े

मझौली, नवभारत। स्थानीय विद्युत आपूर्ति कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी इन दिनों अपनी घोर लापरवाही और सुस्त कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्र में जन-आक्रोश के केंद्र बने हुए हैं। मझौली और आसपास के इलाकों में मेंटेनेंस के नाम पर केवल कागजी घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं और औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। नतीजा यह है कि जमीनी स्तर पर बिजली व्यवस्था सुधरने के बजाय हर गुजरते दिन के साथ और अधिक खतरनाक व जानलेवा होती जा रही है।

ताजा और बेहद संवेदनशील मामला मझौली के जबलपुर रोड स्थित पवन पुत्र आश्रम के पास का है। यहाँ सड़क किनारे से गुजरने वाली मुख्य विद्युत लाइन और बुनियादी ढांचा पूरी तरह जर्जर हो चुका है।

विभाग कर रहा बड़ी अनहोनी का इंतजार

स्थानीय नागरिकों और राहगीरों के अनुसार, इस व्यस्त मार्ग पर बिजली के तार खतरनाक ढंग से नीचे लटके हुए हैं। विडंबना देखिए कि सब कुछ जानते हुए भी विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी आँखें मूंदे बैठे हैं। यहाँ के हालात को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग किसी बड़ी अनहोनी या जानलेवा दुर्घटना के घटने का इंतजार कर रहा है।

व्यापार सहित आम जनजीवन हो रहा प्रभावित

क्षेत्रीय जनता का सीधा आरोप है कि आए दिन बिजली कटौती कर मेंटेनेंस का ढिंढोरा तो पीटा जाता है, लेकिन धरातल पर काम पूरी तरह शून्य है। जबलपुर रोड जैसे मुख्य और व्यस्त मार्ग पर, जहाँ दिन-रात सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों और आम लोगों की आवाजाही लगी रहती है, वहाँ आश्रम के समीप लटकते तार राहगीरों के लिए किसी सीधे खतरे से कम नहीं हैं।

बारिश-आंधी के मौसम में बढ़ा खतरा, कौन लेगा जिम्मेदारी?

मौसम के बदलते मिजाज, तेज हवाओं और बारिश के इस दौर में बिजली के इन जर्जर तारों का इस तरह खुला और असुरक्षित रहना किसी बड़े हादसे को खुली दावत दे रहा है। क्षेत्रवासियों द्वारा कई बार मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराए जाने के बाद भी स्थानीय बिजली अमले के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। सजग नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस गंभीर समस्या का स्थायी निराकरण नहीं किया गया और कोई अप्रिय घटना घटी, तो इसकी पूरी जवाबदेही और जिम्मेदारी विद्युत मंडल के आला अधिकारियों की होगी।

इनका कहना है

आए दिन होने वाले फॉल्ट और मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली गुल रखी जाती है, जिससे व्यापार और आम जनजीवन प्रभावित होता है। लेकिन जब काम देखने जाओ तो सिर्फ खानापूर्ति नजर आती है। पवन पुत्र आश्रम के पास की स्थिति इतनी भयावह है कि कभी भी कोई बेगुनाह इसकी चपेट में आ सकता है।

नीलेश पटेल, स्थानीय नागरिक, मझौली

केंद्रीय मंत्री ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवभारत, जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत रविवार को दादा ईश्वरदास रोहाणी वार्ड की प्रियदर्शिनी कॉलोनी में आयोजित पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद एवं प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह शामिल हुए।

इस अवसर पर अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता कर स्वच्छ एवं हरित भारत के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महामंत्री सोनू बचवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत मुख्यालयों पर 3 दिवसीय शिविरों का आयोजन आज से

▶ शिविर के माध्यम से हितग्राहियों को मिलेगा शासन की योजनाओं का लाभ

नवभारत, जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राज्य एवं केंद्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने सोमवार 15 जून से जिले के सभी सात जनपद पंचायत मुख्यालय जबलपुर, कुंडम, मझौली, पनागर, पाटन, शहपुरा एवं सिहोरा में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किये जायेंगे। ये शिविर 17 जून के महाराणा प्रताप जयंती के अवकाश को छोड़कर 15 से 18 जून तक जारी रहेंगे।

जनकल्याण शिविरों में केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों के लिये भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को जनपद पंचायत मुख्यालयों में आयोजित किये जा रहे जन कल्याण शिविरों में उपस्थित रहने तथा विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इनका लाभ उठा सकें।

पोर्टल के माध्यम से होगी कार्रवाई

जिला पंचायत कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनकल्याण शिविरों में चिन्हांकित योजनाओं में प्राप्त आवेदनों को दर्ज करने एवं निराकरण संबंधी कार्यवाही सी एम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। सीएम हेल्पलाइन, लोकसेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लंबित प्रकरणों, राजस्व मामलों और अन्य जनशिकायतों के निराकरण भी शिविर अवधि में विशेष अभियान चलाकर किया जायेगा। यथासंभव समस्त लंबित आवेदनों के निराकरण का प्रयास किया जाए। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय की जाने वाली सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी हेतु विभागीय स्टॉल स्थापित किये जायेंगे और पात्र हितग्राहियों को आवेदन, पंजीयन एवं सेवा वितरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जायेगी। शिविरों में लाभ वितरण, हितग्राही संवाद, सफलता की कहानियों का प्रस्तुतिकरण तथा योजनाओं के संबंध में जनजागरुकता गतिविधियाँ भी आयोजित की जायेंगी। शिविर में प्राप्त होने वाले ऐसे आवेदन जिनका निराकरण तत्काल संभव न हो, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर आवेदक को सूचित किया जायेगा और प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जायेगी।

▶ महीनों से नहीं हुई नालियों की सफाई, प्रताप वार्ड के घरों में घुस रहा गंदा पानी, रहवासी हो रहे हलाकान

कागजों में सफाई, जमीनी स्तर पर बदहाली का आलम

पनागर, नवभारत। बरसात का मौसम सिर पर है और प्रशासन द्वारा बारिश पूर्व नालों-नालियों की सफाई के निर्देश दिए जाने के बावजूद नगर पालिका पनागर की लापरवाही प्रताप वार्ड के रहवासियों पर भारी पड़ रही है। हालात यह हैं कि मामूली बारिश में ही नालियों का गंदा पानी घरों में घुसने लगा है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वार्डवासियों का आरोप है कि नालियों की महीनों से सफाई नहीं हुई है।

कई बार नगर पालिका में शिकायत करने और सफाई व्यवस्था सुधारने की मांग के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। नालियों में जमा गंदगी के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है और बारिश होते ही जलभराव की स्थिति बन जाती है।स्थानीय रहवासियों का कहना है कि घरों में गंदा पानी भरने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। जलभराव और गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल नालियों की सफाई कर स्थायी समाधान किए जाने की मांग की है।नालियों से निकल रहे जहरीले जीव-जंतु वार्ड की महिलाओं ने नगर पालिका की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं होने के कारण बारिश के पानी के साथ सांप और अन्य जहरीले जीव-जंतु भी घरों तक पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि हल्की बारिश में अक्सर बिजली आपूर्ति भी बाधित हो जाती है, जिससे अंधेरे में खतरा और बढ़ जाता है।महिलाओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। वार्डवासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर राहत दिलाने की मांग की है।

गश्ती दल पर बाघ ने किया अचानक हमला, वन श्रमिक लखनसिंह की मौत

कान्हा/मंडला। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व से एक झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहाँ वन्यजीव और वनों की रक्षा में तैनात एक जांबाज श्रमिक पर सुबह गश्ती के दौरान एक बाघ ने हमला कर दिया। इस हिंसक हमले में सुरक्षा श्रमिक लखनसिंह का दुखद निधन हो गया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद से पूरे कान्हा प्रबंधन और वन कर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी अनुसार 14 जून की सुबह कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्र कान्हा की बीट नकटी घाटी के कक्ष क्रमांक 136 में, कैंप के समीप घंघारनाला क्षेत्र में वन अमले का एक दल रोज की तरह सुबह की गश्ती पर निकला था। इसी दौरान घने जंगलों के बीच घात लगाए बैठे एक वन्यजीव बाघ ने गश्ती दल पर अचानक और जोरदार हमला बोल दिया। हमला इतना त्वरित और हिंसक था कि दल में शामिल अग्नि सुरक्षा श्रमिक लखनसिंह पिता बुद्ध सिंह, 29 वर्ष, जाति गोंड, निवासी ग्राम आमगहन, जिला बालाघाट को संभलने का मौका नहीं मिला और इस हादसे में उनकी असमय व दर्दनाक मौत हो गई।

14 ट्रेनों में आज से जुड़ेंगे एसी-3 इकोनॉमी कोच

▶ यात्रियों को मिलेंगी सुविधाएं

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेल ने यात्रियों की सुविधा और सस्ते सफर को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लिया है। अब 14 ट्रेनों में एसी थ्री टियर कोच हटाकर उनकी जगह एसी 3 इकोनॉमी कोच लगाए जाएंगे। यह नई व्यवस्था आज यानी सोमवार 15 जून से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक हर ट्रेन में एक एसी3 इकोनॉमी कोच लगाया जाएगा। इससे यात्रियों को कम किराए में एसी सफर का विकल्प मिलेगा और ज्यादा लोगों को सीट मिल सकेगी।

आज से होगा बदलाव-15 जून यानि आज सोमवार से ट्रेन नंबर 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस में यह बदलाव शुरू होगा। इसके बाद 16 जून को 12186 रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस में भी यह सुविधा मिलेगी।

अलग अलग तारीखों में जुड़ेंगे कोच

17 जून से 12155 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस में नया कोच लगेगा। 18 जून को 20156 नई दिल्ली-डॉ आंबेडकर नगर एक्सप्रेस में बदलाव होगा। 19 जून से 20155 डॉ आंबेडकर नगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस में यह सुविधा शुरू होगी। 20 से 24 जून तक बाकी ट्रेनों में बदलाव 20 जून को 12156 हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति एक्सप्रेस और 22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस में बदलाव होगा। 21 जून को 22167 सिंगरौली-हजरत निजामुद्दीन और 11633 भोपाल-चोपन एक्सप्रेस में कोच बदले जाएंगे। 22 जून से 22168 हजरत निजामुद्दीन-सिंगरौली, 11634 चोपन-भोपाल और 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस में नई व्यवस्था लागू होगी। 23 जून को 22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस में बदलाव किया जाएगा। 24 जून से 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस में भी एसी थ्री इकोनॉमी कोच जोड़ दिया जाएगा।

बीड़ी कामगार श्रमिकों के बच्चों को मिलेगी छात्रवृत्ति

▶ चिकित्सा अधिकारी ने श्रमिकों व बच्चों को दी वित्तीय सहायता की जानकारी

नवभारत, कटंगी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बीड़ी कामगार कल्याण निधि औषधालय कटंगी की डॉ कु. विश्वा चौरसिया ने जानकारी देते हुए बताया की सत्र-2026-27 के लिए 'शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत बीड़ी, चूना पत्थर एवं डोलोमाईट व लौह-मैग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिक एवं उनके बच्चों को शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति योजनांतर्गत कक्षा 1 से उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए रूपये 1000/- से 25000/- तक छात्रवृत्ति की राशि स्वीकृत की जाती है।

योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र छात्र-छात्राओं के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया 1 जून से प्रारम्भ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि प्री. मेट्रिक हेतु 31 अगस्त एवं पोस्ट मेट्रिक हेतु दिनांक 31 अक्टूबर निश्चित है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए ओ.टी. आर. व फेस ओथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है।

आवेदन की पात्रता व संबंधित अन्य जानकारी/शर्तें नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर भी उपलब्ध है। ऑनलाईन आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करें जो कि स्पष्ट और पठनीय हो। आवेदन करने के पश्चात् अपने विद्यालय/महाविद्यालय में संपर्क स्थापित कर अपने आवेदन को स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ही सत्यापित करवाना सुनिश्चित करें।

ऑनलाईन आवेदन करने संबंधी अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु जबलपुर मुख्यालय के दूरभाष क्रमांक 0761-4039511, 4039510 तथा कल्याण प्रशासक कार्यालय, इन्दौर के दूरभाष क्रमांक-0731-2703530 पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है। साथ ही मध्यप्रदेश परिक्षेत्र में संचालित अपने नजदीकी औषधालयों एवं केन्द्रीय चिकित्सालय सागर में व्यक्तिगत रूप से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। शिक्षण संस्थान द्वारा सत्यापित नहीं किए गए आवेदनों पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

कांग्रेसियों ने अर्थी यात्रा निकालकर जताया विरोध

▶ बेलखाडू में किया जोरदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री का किया पुतला दहन

नवभारत, बेलखाडू। आज शाम 5 बजे बेलखाडू मुख्य मार्ग पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर पैदल मार्च किया तथा बाद में बेलखाडू चौराहे पर पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, शराब बंदी की मांग, बेरोजगारी तथा अन्य जनसमस्याओं को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार पर जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया और जनहित के मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव, जिला संगठन मंत्री राजेश पटेल, विधानसभा प्रभारी विवेक पांडे, यूका विधानसभा अध्यक्ष लकी पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल, सेवादल जिलाध्यक्ष शिव नामदेव, महिला नेता विनीता यादव, ब्लॉक प्रभारी रुक्मिणी गोटिया, बेलखाडू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजीत सिंह परिहार, पवन सोनी, संजय सोनी, शैलेन्द्र भदौरिया, गजराज सिंह, अरविंद उपाध्याय, ताहिर खोखर, हर्षित यादव, रोहित पटेल, सोनू पटेल, मदन चढ़ार, साहिल सोनी, संजीत ठाकुर, जितेंद्र पटेल, अंशुल पटेल, अजय पटेल सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदर्शन के दौरान बेलखाडू मुख्य मार्ग और चौराहे पर कुछ समय के लिए राजनीतिक माहौल गरमाया रहा। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनहित से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

चर्चा | नर्मदा विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित

किसानों ने उठाए सिंचाई और नहर प्रबंधन से जुड़े अहम मुद्दे

पनागर, नवभारत। नर्मदा विकास प्राधिकरण दाई तट जबलपुर के अधिकारियों एवं भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत, जिला जबलपुर के पदाधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नर्मदा विकास प्राधिकरण के चीफ इंजीनियर श्री वर्मा, नहर विभाग के अधिकारी तथा पनागर, सिहोरा और मझौली तहसील के किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक में किसानों की सिंचाई, नहरों की सफाई, जल संरक्षण एवं अवैध अतिक्रमण से संबंधित कई महत्वपूर्ण मांगें प्रमुखता से रखी गईं।

जिला अध्यक्ष रामदास पटेल ने नहरों की साफ-सफाई के कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी सफाई कार्यों की वीडियोग्राफी अनिवार्य किए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु से पहले नहरों की समयबद्ध सफाई आवश्यक है, जिससे खरीफ सीजन में किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिल सके।बैठक में पनागर तहसील अंतर्गत नहरों पर बने अवैध कुलवों को हटाने तथा खरीफ सिंचाई से पूर्व सभी नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग भी उठाई गई।चीफ इंजीनियर श्री वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दाई तट की नहरों से लगभग 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर तथा बाई तट की नहरों से 1 लाख 57 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। उन्होंने बताया कि दाई तट पर बरगी बांध का जलस्तर 411.48 मीटर एवं बाई तट पर 403 मीटर होने पर नहरों में पानी छोड़ा जाता है। पर्याप्त वर्षा होने पर जुलाई के प्रथम सप्ताह में नहरों में पानी प्रवाहित किए जाने की संभावना है।

बैठक में भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जिला कार्यकारिणी सदस्य पुखराज सिंह चंदेल, जिला अध्यक्ष रामदास पटेल, जिला उपाध्यक्ष रामकृष्ण सोनी, तहसील अध्यक्ष जितेंद्र पटेल, पाटन अध्यक्ष रितेश पचौरी, नितिन गौतम सहित अनेक पदाधिकारी एवं किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।किसानों ने उम्मीद जताई कि बैठक में उठाए गए मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई होगी, जिससे क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और किसानों को बेहतर लाभ मिल सकेगा।

इन योजनाओं की जानकारी की साझा

बैठक में स्लीमनाबाद टनल परियोजना की प्रगति की जानकारी भी साझा की गई। श्री वर्मा ने बताया कि 11,952 मीटर लंबी टनल का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है और केवल 83 मीटर कार्य शेष है। परियोजना पूर्ण होने पर रीवा, सतना और मैहर सहित कई जिलों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। राघवपुर एवं बासनिया योजनाओं की भी जानकारी दी गई।भारतीय किसान संघ की ओर से यह मांग भी रखी गई कि दाई तट एवं बाई तट की नहरों से लगे शासकीय एवं अर्धशासकीय तालाबों का सर्वे कर उन्हें नहरों से जोड़ा जाए। साथ ही बरसात के अतिरिक्त जल के संरक्षण हेतु नहरों के बारो क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर सीमांकन एवं बाउंड्रीकरण कराया जाए।